नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raipur Main - 29 Sep 2021 - 29page3

बायोटेक स्ट्रेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के नये परिसर का किया लोकार्पण

फसलों के मूल्य संवर्धन पर हो जोर : मोदी

- प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से फसलों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ में किए जा रहे प्रयासों की तारीफ की
- गोबर से विद्युत उत्पादन और छत्तीसगढ़ मिशन मिलेट की पहल को सराहा

नवभारत ब्यूरो • रायपुर.
www.navabharat.news

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट बायोटेक स्ट्रेस मैनेजमेंट के नये परिसर का लोकार्पण वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से किया. इस अवसर पर उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से फसलों को बचाने तथा लाभकारी खेती के लिए छत्तीसगढ़ में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की. • शेष पेज 7 पर

राज्य के प्रयासों को सराहा

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य में सुराजी गांव योजना के तहत गांव में निर्मित गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर की खरीदी और उससे जैविक खाद के साथ-साथ अब बिजली उत्पादन की राज्य सरकार की योजना को भी सराहा. प्रधानमंत्री ने मौसम की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप फसल उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया. छत्तीसगढ़ राज्य में लघु धान्य फसलों (मिलेट्स) को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन मिलेट को उन्होंने समय की जरूरत कहा.

35 विशेष गुणों वाली फसल किस्मों को जारी किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित 35 विशेष गुणों वाली फसल किस्मों को राष्ट्र को समर्पित किया. इन किस्मों का विकास जलवायु परिवर्तन और कुपोषण की दोहरी चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से किया गया है. प्रधानमंत्री ने नवोन्मेषी खेती के तरीके अपनाने वाले किसानों से भी बातचीत की और चयनित कृषि विश्वविद्यालयों को स्वच्छ हरित परिसर पुरस्कार भी प्रदान किया. कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह भी मौजूद थे.

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raipur Main - 29 Sep 2021 - 29page7

प्रथम पृष्ठ के शेष

सिद्धू ने फिर...

सिद्धू का इस्तीफा अप्रत्याशित तो है ही, अगले साल होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए झटका भी है. सिद्धू के बाद उनके समर्थकों के इस्तीफों की झड़ी लग गई है. सिद्धू ने यह नहीं बताया कि उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया.

भाजपा में शामिल...

हालांकि दिल्ली पहुंचे अमरिंदर सिंह ने कहा है कि वह दिल्ली में अपना घर खाली करने आए हैं. उनके घर खाली करने वाले शब्द के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं. अमरिंदर ने एयरपोर्ट के बाहर कहा कि वह दिल्ली में किसी भी राजनेता से मिलने नहीं आए हैं.

कन्हैया और जिग्नेश...

कन्हैया कुमार ने कहा कि नौजवानों को लगने लगा है कि कांग्रेस नहीं बचेगी तो देश भी नहीं बचेगा. अगर कांग्रेस का जहाज डूबा, तो छोटी-छोटी कश्तियां भी नहीं बचेंगी. मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कन्हैया ने कहा कि अब दीवार पर बैठकर टुकुर-टुकुर देखने का वक्त नहीं है.

राज्यों में किसान...

अगर हमारी मांगें पूरी नहीं की गईं तब सभी राज्यों की राजधानी में यह आंदोलन होगा. छत्तीसगढ़ में भी किसानों को सब्जियों और दूध सहित उनकी हर उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिए. महापंचायत को योगेंद्र यादव, मेधा पाटकर ने भी संबोधित किया.

फसलों के मूल्य...

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इस समय हमें किसानों को फसल आधारित लाभ से बाहर निकालकर वेल्यू एडिशन की ओर ले जाने की जरूरत है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि जलवायु सहिष्णुता तकनीकी एवं पद्धतियों के प्रचार-प्रसार में छत्तीसगढ़ की व्यापक भागीदारी होगी. गोबर खरीदने वाली उनकी सरकार अब गोबर से बिजली उत्पादन की शुरुआत 2 अक्टूबर से करने जा रही है. इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, सीएम के सलाहकार प्रदीप शर्मा, सीएम के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, निदेशक डॉ. पी.के. घोष, डॉ. अनिल दीक्षित, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

millenniumpost
NO HALF TRUTHS

Delhi Edition
29 Sep 2021

Chh'garh: PM hails govt's efforts to save crops from effects of climate change

OUR CORRESPONDENT

RAIPUR: Prime Minister Narendra Modi on Tuesday inaugurated the new campus of the National Institute of Biotech Stress Management here through a video conference. He appreciated the Chhattisgarh government's efforts to make farming more profitable and to save crops from the effects of climate change.

In his address to the inaugural programme, Prime Minister especially mentioned the Gauthans built under Suraji Gaon Yojna and cow dung procurement under Godhan Nyay Yojana. He praised the state government for utilising the cow dung procured in the Gauthans for production of organic manure and now for generating electricity.

He said that the Millet Mission launched by the state government to promote the production was the need of the hour.

Chief Minister Bhupesh Baghel attended the inauguration programme through video conferencing from his residence office.

While congratulating everyone including Prime Minister, Baghel said that Chhattisgarh will have active and extensive participation in the awareness campaign launched by the government of India for the promotion of climate tolerance techniques and methods.

He also mentioned in detail the challenges of climate change. He said that many steps have been taken to minimise the effects of climate change in Chhattisgarh. Efforts are being made to improve the rural economy by conserving the natural resources and by ensuring better utilisation of local resources through Narva, Garwa, Ghurva, Bari. Many Initiatives have been taken under Godhan Nyay Yojana and Rajiv Gandhi Kisan Nyay Yojana to make agriculture a profitable occupation.

Agriculture Minister Ravindra Choubey, Advisor to Chief Minister Pradeep Sharma, Additional Chief Secretary to Chief Minister Subrat Sahu, Agriculture Production Commissioner Dr Kamalpreet Singh and other officers were present at Chief Minister's residence office.

जैविक प्रतिबल प्रबंधन संस्थान राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो क्रान्फेसिंग के माध्यम से किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी आयोजन में शामिल हुए

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो क्रान्फेसिंग के माध्यम से रायपुर जिले के बरौंडा में नवनिर्मित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय जैविक प्रतिबल (स्ट्रैस) प्रबंधन संस्थान को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होने समारोह में विशेष गुणों वाली 33 फसल प्रजातियों का विमोचन भी किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भी वीडियो क्रान्फेसिंग के माध्यम से आयोजन में शामिल हुए।

बरौंडा परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद श्री सुनील सोनी, पूर्व मंत्री श्री चन्द्रशेखर साहू, पूर्व विधायक देव भाई पटेल और अन्य जन प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसानों ने जलवायु-सहिष्णु कृषि तरीकों एवं पद्धतियों का व्यापक अभियान विषय पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए।

राष्ट्रीय जैविक प्रतिबल (स्ट्रैस) प्रबंधन संस्थान के निदेशक श्री प्रवीर कुमार घोष ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्थाओं की जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि कृषि अनुसंधान और शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिये भारत सरकार द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय वीरप्पा मोइली समिति ने राष्ट्रीय परिपेक्ष में जैविक प्रतिबल (स्ट्रैस) प्रबंधन संस्थान को खोलने की अनुशंसा की थी। बारहवीं पंचवर्षीय योजना में कैबिनेट द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान को एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने का अनुमोदन किया गया तथा इसे छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर में स्थापित करना तय किया गया एवं 7 अक्टूबर 2012 को इसका शिलान्यास किया गया। छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के बरौंडा स्थित अनुसंधान फार्म की 50 हेक्टेयर भूमि संस्थान की स्थापना के लिये आवंटित की गई। यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य का एकमात्र विशिष्ट पौध संरक्षण का संस्थान हैं ।

वर्तमान में यह संस्थान जैविक स्ट्रैस में बुनियादी व रणनीतिक अनुसंधान, मानव संसाधन और राष्ट्रीय नेटवर्क के लिये नीति समर्थन के लिये कार्य कर रही है । जैविक स्ट्रैस प्रबंधन में अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार के लिये चार स्कूल है (1) फसल स्वास्थ्य जीव विज्ञान अनुसंधान, (2) फसल प्रतिरोध प्रणाली अनुसंधान और (3) फसल स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान (4) फसल स्वास्थ्य नीति समर्थन अनुसंधान ।

इस संस्थान द्वारा आईसीएआर-आईएआरआई के साथ संबद्धता में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में पीजी पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। जैविक स्ट्रैस प्रबंधन को नई दिशा एवं आयाम देने के लिये आवश्यक सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। इसमें प्रशासनिक, पुस्तकालय एवं सभागार भवनों के साथ दो स्कूल एवं एक छात्रावास सम्मिलित है । इसके लिए भारत सरकार एवं परिषद द्वारा वर्ष 2017-20 में 58 करोड़ रुपये व अन्य सहयोगी भवनों एवं सुविधाओं के लिये 20 करोड़ रुपये दिए गए है ।

प्रशासनिक परिसर में प्रशासन, पुस्तकालय और सभागार भवन 7959 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले है। इसमें केन्द्रीय वातानुकुलित सुविधाओं के साथ तीन मंजिल है। प्रशासनिक भवन में निदेशक और कार्यालय, 2 बैठक कक्ष और अन्य प्रशासनिक कार्यालय है। पुस्तकालय भूतल में योग-ध्यान-कैफेटेरिया हॉल तथा वाचनालाय और ऑनलाइन पुस्तकालय प्रणाली शामिल है। इसके सभागार में 270 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है और उसमें वैज्ञानिक कार्यक्रमों के लिये 2 बोर्ड रुम, 2 प्रशिक्षण हॉल और 1 प्रदर्शनी कक्ष है । यह परिसर शारीरिक रुप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ है । सभी नवनिर्मित भवन सीसीटीवी प्रणाली से सुसज्जित है। संस्था के स्कूल परिसर में चार स्कूलों का प्रावधान है। पहले चरण में दो स्कूल भवनों का निर्माण 5195 वर्गमीटर क्षेत्र में किया गया है। प्रत्येक स्कूल भवन में 1 संयुक्त निदेशक कार्यालय, 2 केन्द्रीय प्रयोगशाला, 18 वैज्ञानिक कक्ष, 4 कक्षाएं और संगोष्ठी कक्ष है। तीन मंजिला शिवनाथ छात्रावास का निर्माण 4900 वर्गमीटर क्षेत्र में किया गया है। छात्रावास में 130 अटेच्ड टायलेट वाले सिंगल-बेड कमरे की सुविधा है। साथ ही कैफेटेरिया, कॉमन रुम, टेबल टेनिस, कैरम आदि की सुविधा है।

The Indian EXPRESS

launch today

India gets first herbicide-tolerant & non-GM rice varieties; launch today

The varieties — Pusa Basmati 1979 and Pusa Basmati 1985 — contain a mutated acetolactate synthase (ALS) gene making it possible for farmers to spray Imazethapyr, a broad-spectrum herbicide, to control weeds.

PM launches 35 crop varieties with special traits

■ **To address climate change, malnutrition**

New Delhi, Sep 28 (PTI):

Prime Minister Narendra Modi on Tuesday launched 35 crop varieties with special traits -- developed by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) -- to address the twin challenges of climate change and malnutrition.

The new crop varieties were dedicated to the nation through a video conference organised at all ICAR institutes, state and central agricultural universities and Krishi Vighyan Kendra.

During the virtual ceremony, Modi also inaugurated the newly constructed campus of the National Institute of Biotic Stress Tolerance (NIBST), Raipur.

He also distributed the 'Green Campus Award' to four agricultural universities and interacted with farmers who use innovative methods, before addressing a gathering.

Modi said, "More than 1,300 seed varieties have been developed. Today, 35 more crop varieties have been dedicated to farmers. These crop varieties or seeds will address the challenge of climate change and malnutrition."

Prime Minister Narendra Modi dedicates 35 crop varieties with special traits to the Nation, through video conferencing, in New Delhi, Tuesday.

PM inaugurates NIBST, Raipur campus

During the virtual ceremony, Modi also inaugurated the newly constructed campus of the National Institute of Biotic Stress Tolerance (NIBST), Raipur. Talking about biotic stress caused due to climate change, the Prime Minister said Raipur-based NIBST will conduct research on ways to address biotic stress on the farm sector. The manpower will be trained to come out with solutions, thereby promoting the agriculture sector and farmers' income. "We are aware of crop damage caused due to pest attack. We had faced locust attacks last year in the midst of the pandemic. We took several steps to address the problem and saved farmers from incurring huge damage," he said, adding that NIBST has a big responsibility in this regard.

'Climate change big challenge'

Prime Minister Narendra Modi on Tuesday said climate change is a big challenge not only for the farm sector but also for the entire ecosystem, and efforts needed to be stepped up to address the problem. Modi called for collective efforts and continuous intensive research to deal with the climate change, which is adversely impacting the output of agriculture and allied sectors, thereby causing huge losses to farmers. The prime minister was addressing farmers and other stakeholders through video conferencing after launching 35 new crop varieties with special traits to address climate change and malnutrition. In the last six-seven years, science and technology are being used on a priority basis to solve the challenges related to agriculture, he said, adding that the joint efforts of farmers and scientists will give better results.

The crop varieties have been developed keeping in mind different kinds of problems faced in the farm sector. Some crop varieties are meant for areas facing less water and some for areas suffering from crop diseases, he said. In the last six-seven years, the government has used science and technology on priority basis to solve challenges faced in the agriculture sector, he said, adding that focus is developing seeds with high nutrition content and adaptability to new conditions, especially climate change.

Talking about biotic stress caused due to climate change, the Prime Minister said Raipur-based NIBST will conduct research on ways to address biotic stress on the farm sector. The manpower will be trained to come out with solutions, thereby promoting the agriculture sector and farmers' income.